ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -7

काली कोयल काली क्यों?

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

7 काली कोयल, काली क्यों?

चिंतन-मनन

जीवन में मीठी वाणी का बड़ा ही महत्व होता है। जिसके पास मीठी वाणी नहीं, उस इनसान के पास सब कुछ होते हुए भी, कुछ भी नहीं होता। मीठी वाणी से वह अपने परिवार, रिश्तेदारों, दोस्तों के साथ अच्छा संबंध स्थापित कर सकता है। जीवन में सफल हो सकता है।

कागा काको धन हरै, कोयल काको देत
मीठा शब्द सुनाय के, जग अपना कर लेत।

बहुत समय पहले एक नदी के किनारे घना जंगल था। जंगल में तरह-तरह की रंग-बिरंगी चिड़ियाँ थीं। सारा जंगल इन चिड़ियों की चहचहाहट से गूँजता रहता था। इन छोटी-बड़ी, मोटी-पतली चिड़ियों की सरदार थी—एक सुनहरी चिड़िया। इस चिड़िया का रंग सोने जैसा था, मानो कोई स्वर्ण परी हो। जब वह नीले आसमान में अपने सुनहरे पंख फैलाकर उड़ती थी, तब जंगल के सभी छोटे-बड़े जानवर मुग्ध होकर उसे देखते रह जाते थे। सभी पशु-पक्षी उसको चाहते थे। उसके रूप-रंग और चमकीली आँखों पर सबको गर्व था। खतरनाक-से-खतरनाक जानवर भी उसके साथ अच्छा बरताव करते थे। आखिर वह जंगल की शान जो थी।

सब जानवर उसे इतना प्यार करते थे कि उसकी गलतियों पर भी उसको कभी कोई नहीं टोकता था। इतना ज़्यादा लाड़-प्यार पाकर सुनहरी चिड़िया अपने-आपको जंगल की रानी समझने लगी थी। सब उसे प्यार से सोनल कहकर पुकारते थे। सोनल किसी से सीधे मुँह बात न करती थी। जब चाहे तब नीले गगन में मनमानी करती हुई लंबी उड़ान भरा करती थी।

शब्दार्थ-

घना-सघन
मुग्ध- मोहित
टोकना- रोकना,मनि करना

गूंजता-मधुर ध्वनि
बरताव- व्यवहार
गगन- आकाश,नभ,आसमान

अर्थ बोध-

कबीर दास जी कहते हैं कि कौआ किसी का धन नहीं चुराता लेकिन फिर भी कौआ लोगों को पसंद नहीं होता। वहीं कोयल किसी को धन नहीं देती लेकिन सबको अच्छी लगती है। ये फर्क है बोली से सबके मन को हर लेती है।

बहुत दिन पहले की बात है । जंगल में एक सुनहरी रंग की चिड़िया रहती थीं। जंगल के सारे जानवर उसके सुनहरी पंख देख मोहित होते थे। उसके रंग रूप को देख सब गर्व करते थे। खतरनाक जानवर भी उससे अच्छा व्यवहार करते थे।सभी उसे इतना प्यार करते थे कि कोई उसे उसके गलतियों पर टोकते नहीं। इसलिए वह अपने आप को जंगल की रानी समझने लगती थी और मनमानी करती थी।

संबंधित प्रश्न-

१. चिड़िया कि नाम क्या था?
२. जंगल के सभी जानवर मुग्ध क्यों होते थे?
३. सोनल को सब प्यार क्यों करते हैं?
४. सोनल क्या मनमानी करती थी?
५. जंगल की शान कौन थी?

गृहकार्य- पढ़ाए गए पाठ को पढ़ो।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP